PGDDM

# सत्रीय कार्य 2025

# आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
# (पी.जी.डी.डी.एम.)

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

# आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रिय छात्र / छात्राओ,

जैसा कि आपको आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में बताया ही जा चुका है कि आपको चार क्रेडिट वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य करने होंगे। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। आप यह देखेंगे कि सत्रीय कार्यों के प्रश्न विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक प्रकृति के हैं। इन्हें करने से आप अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को आपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। यह आवश्यक है कि आप सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

**प्रस्तुतीकरण :**

**आपको सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें।**

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

| सत्रीय कार्य संख्या | प्रस्तुति की तिथि | किसे भेजें |
|---|---|---|
| एम.पी.ए.–001<br>एम.पी.ए.–002<br>एम.पी.ए.–003<br>एम.पी.ए.–004<br>एम.पी.ए.–005<br>एम.पी.ए.–006<br>एम.पी.ए.–007<br>एम.ई.डी.–004 (केवल उन्हीं विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने परियोजना कार्य के स्थान पर इस पाठ्यक्रम को लिया है।) | **31 मार्च 2025**<br>जून 2025 सत्र के लिए (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने अभी तक सत्रीय कार्य जमा नहीं किया है, और जून में परीक्षा देंगे)<br>**30 सितंबर 2025**<br>दिसंबर 2025 सत्र के लिए (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने अभी तक सत्रीय कार्य जमा नहीं किया है, और दिसंबर में परीक्षा देंगे) | अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को |

# सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

# एम.पी.ए.–001
# प्राकृतिक आपदाओं को समझना
# सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–001
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2025
अंक : 50

**इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

**भाग–I**

1. आपदा प्रबंधन चक्र में आपदा प्रबंधन की कई अवस्थाएँ होती हैं'। सविस्तार लिखिए।
2. भारत में केन्द्रीय स्तर पर आपदा प्रबंधन के संगठनात्मक ढाँचे की चर्चा कीजिए।
3. बाढ़ की प्रकृति और बाढ़ आपदा न्यूनीकरण में तैयारी और अनुक्रिया के महत्व का वर्णन कीजिए।
4. भारत में सुखा प्रबंधन व्यवस्था की व्याख्या कीजिए।
5. निम्नलिखित पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) चक्रवात की चेतावनी और पूर्वानुमान पद्धति।
   (ख) भूकंप से सम्बद्ध संकट और प्रभाव।

**भाग–II**

6. अवधाव संकट न्यूनीकरण की सक्रिय पद्धतियों और प्रबंधन योजना की चर्चा कीजिए।
7. भारत में भूस्खलन से सम्बन्धित खतरा कम करने के उपायों की व्याख्या कीजिए।
8. ज्वालामुखी उद्‌गार से सम्बद्ध संकट के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए और ज्वालामुखी संकट न्यनूीकरण की तकनीकें सुझाइए।
9. समुद्र तल के ऊपर उठने से होने वाले प्रभावों की व्याख्या कीजिए।
10. निम्नलिखित पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) शीत लहरों से बचाव।
   (ख) कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव।

# एम.पी.ए.–002
# मनव–निर्मित आपदाओं को समझना
# सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–002
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2025
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

**भाग–I**

1. मानव – निर्मित आपदाओं के कारणों की चर्चा कीजिए तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डालिए।
2. नाभिकीय आपदा प्रबंधन पर एक टिप्पणी लिखिए।
3. भवन में आग लगने के विरुद्ध सुरक्षा और रोकथाम उपायों की व्याख्या कीजिए।
4. 'एक आदर्श दावानल प्रबंधन में मुख्यतः रोकथाम, ससंचू न और अवमंदन नामक तीन चरण होते हैं'। टिप्पणी लिखिए।
5. निम्नलिखित पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) वनोन्मलून के कारण।
   (ख) कोयले में आग लगने के प्रभाव।

**भाग–II**

6. 'प्रमुख वायु प्रदूषकों के मानव और वातावरण पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभाव हो सकते हैं'। जाँच कीजिए।
7. जल गुणवत्ता प्रबंधन में रासायनिक पैरामीटरों के सरोकारों की चर्चा कीजिए।
8. रेल दुर्घटनाओं के कारण और प्रभाव क्या होते हैं?
9. औद्योगिक बहिःस्त्रावों के उपचार पर एक टिप्पणी लिखिए।
10. निम्नलिखित पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) तेल में लगने वाली आग के कारण और प्रभाव।
   (ख) समुद्री दुर्घटनाओं के प्रकार।

# एम.पी.ए.–003
# जेखिम आकलन और संवेदनशीलता विश्लेषण
# सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–003
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी / टी.एम.ए / 2025
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

**भाग–I**

1. जोखिम की अवधारणा की चर्चा कीजिये तथा उसके विभिन्न घटकों को उजागर कीजिये।
2. आपदा जोखिम न्यूनीकरण की विभिन्न कार्यनीतियों का वर्णन कीजिये।
3. जोखिम आकलन की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिये।
4. सहयोगात्मक जोखिम आंकलन की विधियों की चर्चा कीजिये।
5. संवेदनशीलता विश्लेषण के दृष्टिकोणों तथा माडलों का सक्षिप्त में वर्णन कीजिये।

**भाग–II**

6. 'पुरुषों की तुलना में महिलाएं आपदाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होती है'। कारणो सहित विस्तृत वर्णन कीजिये।
7. सूखे के कारणों का परीक्षण कीजिये तथा भारत में सूखा प्रबंधन की प्रकृति की चर्चा कीजिये।
8. प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिये शहरी नियोजन में महत्वपूर्ण मुद्दों का विश्लेषण कीजिये।
9. आपदा संबंधित समस्याओं का विभिन्न कार्यनीतियों के माध्यम से समाधान किया जाता है। चर्चा कीजिये।
10. आपदा प्रबंधन में आपदा–पश्चात सहायता के महत्व को उजागर कीजिये।

# एम.पी.ए.–004
# आपदा तैयारी
# सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–004
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी / टी.एम.ए / 2025
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

## भाग–I

1. आपदा न्यूनीकरण की अवधारणा तथा दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिये।
2. आपदा तैयारी के संदर्भ में योजना के महत्व का विश्लेषण कीजिये।
3. आपदाओं के समय पशुधन प्रबंधन के लिये आवश्यक उपायों का परीक्षण कीजिये।
4. समुदाय आधारित आपदा तैयारी की आवश्यकता तथा महत्व की व्याख्या कीजिये।
5. सूचना, संचार तथा प्रशिक्षण के घटकों तथा कार्यनीतियों का वर्णन कीजिये।

## भाग–II

6. मौसम–विज्ञान और जल विज्ञान संबंधी आपदा तैयारी पर एक टिप्पणी लिखिये।
7. आपदा मानचित्रण तथा भू–प्रयोग क्षेत्रण आपदा तैयारी को किस प्रकार सुविधाजनक बनाते हैं?
8. वायरलैस रेडियो तथा हैम रेडियो की विशेषताओं की व्याख्या कीजिये।
9. सतत् विकास की अवधारणा की चर्चा कीजिये।
10. संघर्ष समाधान तकनीकों का वर्णन कीजिये।

# एम.पी.ए.–005
# आपदा प्रतिक्रिया
# सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–005
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी / टी.एम.ए / 2025
अंक : 50

**इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

**भाग–I**

1. प्रतिक्रिया योजनाएं क्यों आवश्यक हैं? साथ ही, केंद्रीय स्तर पर प्रतिक्रिया योजना की चर्चा कीजिए।
2. संचार की विभिन्न तकनीकों की भूमिका का वर्णन कीजिए।
3. आपदा अनुक्रिया में खोज व बचाव के परिचालन की चर्चा कीजिए।
4. आपदा अनुक्रिया में आंकलन की तकनीकों पर एक टिप्पणी लिखिए।
5. राष्टीय स्तर पर आपदा प्रतिक्रिया के लिए प्रशासनिक प्रतिक्रिया की रूपरेखा का वर्णन कीजिए।

**भाग–II**

6. सशस्त्र बल की क्षमताओं और संसाधनों पर विहंगम दृष्टि डालिए, जिससे उनके कार्यों की विविधता का संकेत मिलता है, जिनके निष्पादन की उनसे अपेक्षा की जाती है।
7. 'युवा संगठन आपदा प्रबंधन में अहम् भूमिका निभाता है।' विस्तृत वर्णन कीजिए।
8. आपदा अनुक्रिया में समुदाय आधारित संगठन व गैर–सरकारी संगठन (उदाहरण सहित) की भूमिकाओं का वर्णन कीजिये।
9. 'आपदा के समय, मानव को मनोवैज्ञानिक व शारीरिक प्रतिक्रियाएं की एक विस्तृत श्रृंखला की अनुभूति होती है'। उपरोक्त कथन के अनुसार आपदाओं में मानव प्रतिक्रियाओं के प्रबंधन के बारे में वर्णन कीजिए।
10. पोषण सहायता के मानक क्या है?

# एम.पी.ए.—006
# आपदा चिकित्सा
# सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए—006
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी / टी.एम.ए / 2025
अंक : 50

**इस सत्रीय कार्य में भाग—I और भाग—II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

## भाग—I

1. 'महामारी रोग—विज्ञान की प्रविधि प्राकृतिक और मानवकृत आपदाओं के कारणों एवं परिणामों को जांचने और उल्लिखित करने में मदद करती है।' इस कथन के आधार पर विभिन्न महामारी रोग विज्ञान प्रविधियों का वर्णन करें।
2. 'स्वच्छता व सफाई' कार्यनीतियों पर प्रकाश डालिये, जो जोखिम से रोकथाम में भूमिका निभाते हैं।
3. अस्पताल पूर्व योजना, जो चिकित्सा तैयारी योजना का एक घटक है, के बारे में लिखें।
4. साजो—सामान प्रबंधन में 'सामग्री प्रबंधन' व 'सूची नियंत्रण' का वर्णन कीजिए।
5. दूर—दराज के क्षेत्रों में प्रशासनिक व चिकित्सा बुनियादी ढांचे को लिखें तथा इन क्षेत्रों की सुविधायों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी आपदा अनुक्रिया के बारे में लिखें।

## भाग—II

6. आपदाओं के संदर्भ में स्वास्थ्य प्रबंधन में शिक्षा व प्रशिक्षण पर एक टिप्पणी लिखिए।
7. 'आपदा स्थल प्रबंधन 'हताहत भार प्रबंधन' व 'प्रभावी चिकित्सा' को महत्वपूर्ण बल देता है।' विस्तृत विवरण कीजिए।
8. चिकित्सालयी आपदा प्रबंधन का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
9. संक्रामक रोगों का नियंत्रण किस प्रकार किया जाता है?
10. चक्रवात् के प्रति चिकित्सा व स्वास्थ्य अनुक्रिया पर प्रकाश डालिये।

# एम.पी.ए.–007
# पुनर्वास, पुनर्निर्माण और पुनरुत्थान
# सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–007
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी / टी.एम.ए / 2025
अंक : 50

**इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।**

**भाग–I**

1. आपदा प्रबंधन तथा विकास में विभिन्न अधिकरणों की भूमिका का परीक्षण कीजिये।
2. सूचना प्रबंधन के लिये संचार व्यवस्था पर एक टिप्पणी लिखिये।
3. एशिया में आपदा तैयारी की प्रकृति की चर्चा कीजिये।
4. 'सरकार की केन्द्र तथा राज्य, दोनों स्तरों पर आपदा प्रबंधन गतिविधियों को धन प्रदान करने की विशिष्ट योजनायें हैं।' टिप्पणी कीजिये।
5. आपदा–रोधी निर्माण की परम्परागत तकनीकों की विशेषताओं को उजागर कीजिये।

**भाग–II**

6. 'प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिये आपदा से निपटने के सिद्धांत उसका अभिन्न अंग हैं'। स्पष्ट कीजिये।
7. आपदा स्थितियों में तनाव प्रबंधन पर एक टिप्पणी लिखिये।
8. आपदा प्रभावित समुदायों तक पहुँचने में जनसंचार माध्यम की भूमिका की चर्चा कीजिये।
9. पर्यवेक्षण और मूल्यांकन के मार्गदर्शक सिद्धांत और मानदंड क्या हैं?
10. आपदा प्रबंधन और जागरूकता में जन–भागीदारी के महत्व का परीक्षण कीजिये।